बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक - तृतीय खण्ड
षष्ठ-पत्र : आधुनिक मैथिली काव्य
दिनांक 06/10/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश (दोसर भाग)

प्रश्न :- मिथिला भाषा रामायणक सुंदरकांडक आधार पर महावीरक पराक्रमसँ परिचय कराउ।

उत्तर :- ..... हुनकामे अलौकिक रूप धारण करबाक संग-संग अद्भुत बल-विक्रम छलनि। सुरसा मायावी शैलीमे परीक्षा लैत छथि जाहि ठाम हनुमान जी अपन बुद्धि बलकेँ सक्रिय कयने रहैत छथि आ एहि पराक्रमक बल पर विशाल सुरसा लग अतिलघुरूप धारण कय हुनका निष्प्रभावी क' दैत छथि।

मारुति कहल देवी मुँह बाउ
खाय सकी तँ हमरा खाउ
. . . .
अति लघु बनि मुह बाहर जाय
नमस्कार हँसि कहल सुनाय।

छाया ग्राहिणी मायावी राक्षसी सिंहिकाक वध सेहो हिनक अद्भुत पराक्रमक परिचायक थिक। लंकाक मुख्य द्वार पर लंकिनी द्वारा रोकला पर जो बाम हाथसँ समधानि क' एक मुक्का मारैत छथि जाहिसँ ओ खसि पड़ैत अछि आ रक्तक वमन करय लगैत अछि। सीता-हनुमान संवाद मे जखन सीता एक स्वाभाविक प्रश्न पुछैत छथि जे रामचन्द्रजीक सेना संग विजयी भ' सकब कोन संभव छैक ?

06/10/2012